UGC NET

DAILY 12:00 PM

FILLERFORM LIVE NTA UGC NET 2022

हिंदी साहित्य (PAPER-2)

खड़ी बोली / फोर्ट विलियम कॉलेज आंदोलन

इकाई-4 (भाग-3)

BY JYOTI MA'AM

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

1 5 K Sub

YouTube

2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**

www.ugc-net.com

Rank	Name	Coin	Subject
1	Priyanka	76.0041	20 Hindi
2	Sandhya Jayasaval	50.0035	20 Hindi
3	Shubhankar Kar	36.0065	20 Hindi
4	Sunita Thakur	18.0018	20 Hindi
5	Priya Gautam	18.0017	20 Hindi
6	Hardish Kaur	14.0110	20 Hindi
7	Pooja Pandey	12.0008	20 Hindi
8	Muskan Singh	8.0007	20 Hindi
9	Inder	6.0012	20 Hindi
10	Reena Yadav	6.0009	20 Hindi

Question ::
कौन से यूरोपियन विद्वान ने तुलसी-साहित्य पर कार्य नहीं किया हैं?

- डॉ.एच.एच.विल्सन
- एफ.एस.ब्राउज
- डॉ. जार्ज ग्रियर्सन
- मेक्स मूलर

मेक्स मूलर

Question ::
मिथकीय आलोचना के प्रवर्तक कौन हैं?

- गजानन माधव मुक्तिबोध
- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
- डॉ. रमेश कुंतल मेध
- डॉ. नेमिचंद्र जैन

डॉ. रमेश कुंतल मेध

Question ::
हिंदी का निबंध सम्राट किसे माना जाता हैं?

- आचार्य रामचन्द्र शुल्क
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

आचार्य रामचन्द्र शुल्क

Question ::
डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ने हिंदी प्रेमाख्यान परंपरा की पहली कृति किसे माना हैं?

- हंसवाली
- सत्यवती कथा
- चंदायन
- पदमावत

सत्यवती कथा

UGC NET Giveaway

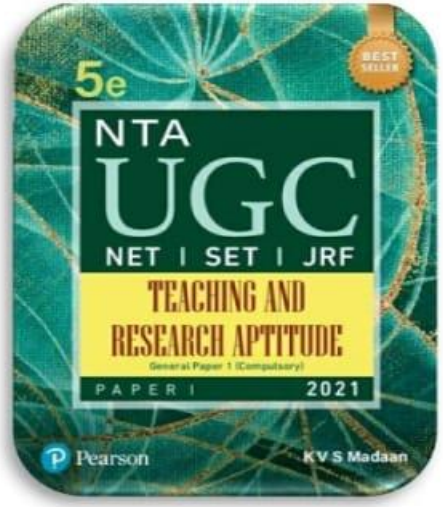

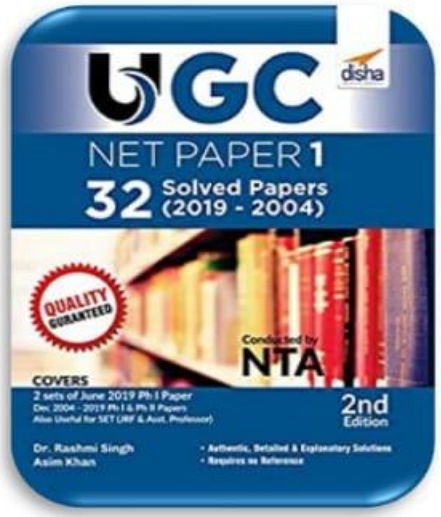

Win Books

8209837844

www.ugc-net.com

वैचारिक पृष्ठभूमि

(खड़ी बोली / फोर्ट विलियम कॉलेज आंदोलन)

8209837844

वैचारिक पृष्ठभूमि

www.ugc-net.com

(खड़ी बोली / फोर्ट विलियम कॉलेज आंदोलन)

1.आधुनिक काल में दो भाषाएं थी एक ब्रजभाषा और दूसरे खड़ी बोली|

2.उन्नीसवीं सदी के दौरान खड़ी बोली अपने चरम उत्कर्ष पर पहुंची बहुत से कारण ऐसे रहे जिन्होंने खड़ी बोली के विकास के लिए आंदोलन का रूप ले लिया|

3.नवजागरण के साथ-साथ खड़ी बोली हिंदी के विकास में 4 पक्षों का महत्वपूर्ण योगदान था|

1)ईसाई मिशनरियों का योगदान

2)फोर्ट विलियम कॉलेज तथा अन्य शिक्षण संस्थाओं का योगदान

3) धार्मिक पुनर्जागरण से जुड़ी संस्थाओं का योगदान

4)भारतेंदु युग का योगदान

8209837844 www.ugc-net.com

1.ईसाई मिशनरियों का योगदान

1. भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ ही ईसाई मिशनरियों का भी आगमन हुआ जिनका उद्देश्य धर्म प्रचार करना वह हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करना था भारतीय जनता से संपर्क करना इसके लिए मिशनरियों के पास हिंदी का एकमात्र साधन था ।
2. अतः अनेक विद्यालयों की स्थापना धर्म ग्रंथ का अनुवाद हिंदी के व्याकरण ग्रंथों का निर्माण ज्ञान विज्ञान की पुस्तकों की उपलब्धता आदि कार्य इसाई मिशनरियों द्वारा किए गए ।
3. दाऊद के गीत (1836)एजिल की तकशीर (1861) नतपरीक्षा (1880)धर्मतुला (1892) गंगा का वृतांत (1896) आदि पुस्तकों का प्रकाशन हुआ ।

इन पुस्तकों का लेखन और प्रकाशन में जी०टी०थॉमसन ,जॉन गिओर,ई० ग्रीब्स, विलियम कौर के नाम विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

8209837844
www.ugc-net.com

4. ईसाई मिशनरियों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की भाषा में अनछड़ता, विराम चिन्हों की अव्यवस्था पर पुरानी गत शैली के प्रयोग के बावजूद अनेक उद्योगों से खड़ी बोली हिंदी को काफी सजने सवरने का मौका मिला।

5. इनकी भाषा का एक उदाहरण तब यह कहकर मोहन वर्जने लगा तुम्हारे हाथ से बपतिस्मा लेना अवश्य है- बाइबिल के अनुवाद का एक अंश

8209837844
www.ugc-net.com

2. फोर्ट विलियम कॉलेज तथा अन्य शिक्षण संस्थाओं का योगदान

1. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली ने कोलकाता में आई० सी ०एस के अधिकारियों को हिंदी का ज्ञान कराने के उद्देश्य से 10 जुलाई सन 1800 ई० में की थी|

2. जॉन बोशिर्व गिलक्राइस्ट:-(1759-1841)को हिंदुस्तानी भाषा का अध्यापक बनाया गया वह उर्दू अरविक व संस्कृत का विदवान थे। इन्होंने कई पुस्तकें लिखी -इंग्लिश हिंदुस्तानी डिक्शनरी ,हिंदुस्तानी ग्रामर ,ओरिएंटल लिंग्विस्ट नामक दो ग्रंथ क्रमशः 1796 व1798 में प्रकाशित किए।

3. लल्लू लाल तथा सदल मिश्र ने भाखा -मुखी पद पर काम किया।

4. लल्लू लाल(1763-1835)

1800 ई॰ में FWC में भाखा-मुंखी पद पर नियुक्ति दो सहायक काजिम अली जवा व मनहर अली विला महत्वपूर्ण रचनाएं (खड़ी बोली) सिंहासन बत्तीसी(1801)प्रेमसागर(1810) बेताल पच्चीसी(1801) सभा विलास(1815) शकुंतला नाटक(1810) माधोनल(1801) ब्रजभाषा व्याकरण(1871) लतायक- इ- हिंदी।

8209837844 www.ugc-net.com

5. इन्होंने संस्कृत प्रेस की स्थापना (कलकता फिर आगरा में) की।
6. लल्लू लाल उर्दू को जामनी भाषा कहते हैं।
7. लल्लू लाल ने बजुवान ई रेखता शब्द का प्रयोग लताइफ ए हिंदी के लिए किया था ।
8. बृजभाषा व्याकरण ही इनका मौलिक रचना है।
9. राजनीति (1802) हितोपदेश की कहानियों से संबंधित ब्रज भाषा में अनूदित रचना ।
10. माधव विलास ब्रज भाषा में रचित चंपू काव्य
11. लाल चंद्रिका -बिहारी सतसई का टीका।

8209837844 www.ugc-net.com

सदल मिश्र(1767-1848)

फोर्ट विलियम कॉलेज में भाखा-पंडित

रचनाएं-

1)नासिकेतोफख्यान या चंद्रावली(1803)

2) रामचरित (1850ई०)-अध्यात्म रामायण पर आधारित

3)हिंदी पर्शियन वाकैबुलरी (1809)

स्वतंत्र रूप से हिंदी गद्य लिखने वालों में थे |

1)मुंशी सदासुखलाल 2)इंशा अल्लाह खाँ

8209837844 www.ugc-net.com

सदासुखलाल नियाज (1746- 1824)

दिल्ली निवासी सदा सुखलाल हिंदी के प्रारंभिक गद्य- लेखकों में एक थे फारसी में इनका उपनाम निसार था इनका वास्तविक नाम सदासुखराय था।

रचनाएं-

1)मुंतखबुतवारीख(1818)
इसमें उन्होंने अपने जीवन का इतिहास लिखा है।
2) सुख सागर यह विष्णु पुराण के कुछ उपदेश आत्मक एवं नैतिक प्रसंग के आधार पर रचित रचना है।
पारसी बहुल उर्दू गद्य की प्रतिष्ठा होते देख इनका कथन था- "रस्मोरिवाज भाखा का दुनिया से उठ गया"।

8209837844 www.ugc-net.com

इंशा अल्ला खाँ

1.खड़ी बोली गद्य के उन्नायको में से एक इंशा अल्लाह खाँ उर्दू फारसी के बड़े शायर थे।
2.रानी केतकी की कहानी जा उदय भान चरित हिंदी खड़ी बोली की इनकी प्रसिद्ध रचना है।
3.हिंदी की प्रथम मौलिक गद्यकया कहा गया है।
4.इस कहानी से सर्वप्रथम लौकिक श्रृंगार मई परंपरा का शुभारंभ हुआ |

इंशा अल्ला खाँ- "इसमें हिंदवी घुट और किसी बोली का पुट नहीं है ठेठ हिंदी लिखने के उद्देश्य से यह रचना रची गई थी।"

8209837844 www.ugc-net.com

रामचंद्र शुक्ल " इंशा अल्लाह खा को एक दिन बैठे-बैठे यह बात अपने ध्यान में चढ़ी की कोई कहानी ऐसी कहिए जिसमें हिंदवी छुट और किसी बोली का पुट न मिले तब जाकर मेरा जो फूल की कली के रूप में खिले। बाहर की बोली और गँवारी कुछ उसके बीच मे न हो। छिन्दीपन भी न निकलें और भाखापन भी न हो। "

हास्य प्रधान शैली की रचना 'रानी केतकी की कहानी' की भाषा सबसे चटकीली, मटकीली , अलंकृत,किस्सागोई शैली चलती और मुहावरेदार है।

इंशाल्लाह खा ने अपनी भाषा को निम्न में से मुक्त रखने की बातें कही थी-

1)बाहर की बोली अर्थात अरबी, फारसी ,तुर्की
2)गवाँरी अर्थात ब्रजभाषा ,अवधी
3) भखापन अर्थात संस्कृत के शब्दों का मेल।

8209837844 www.ugc-net.com

खड़ी बोली हिंदी गद्य के विकास में भारतेंदु से पूर्वी हिंदी के 4 गद्य लेखकों का योगदान शलाघनिया है:-

- लल्लू लाल
- सदल मिश्र
- सदासुखलाल
- इंशाल्लाह खा

(फोर्ट विलियम कॉलेज में कार्यरत)

फोर्ट विलियम कॉलेज से संबंध नहीं था |

8209837844 www.ugc-net.com

आगरा कॉलेज 1823 आगरा स्कूल बुक सोसायटी 1817 कोलकाता स्कूल बुक सोसायटी 1817 ने हिंदी के अच्छे पाठ्यक्रम शुरू किए जिससे हिंदी भाषा के विकास की प्रश्रय मिला।

कोलकाता स्कूल बुक सोसाइटी (1817) के अंतर्गत हिंदुस्तानी विभाग(बाद में हिंदी विभाग स्थापित किया गया)

1817 से 1832 तक इस सोसाइटी ने 60 पुस्तकें प्रकाशित किए जिनमें दर्जनभर पुस्तके हिंदी की थी।

8209837844 www.ugc-net.com

3. धार्मिक पुनर्जागरण से जुड़ी संस्थाओं का योगदान

1. धार्मिक पुनर्जागरण से जुड़ी संस्थाओं ब्रह्मसमाज,आर्य समाज थियोसॉफिकल सोसायटी आदि ने भी खड़ी बोली के विकास में अपने तरीके से योगदान दिया।
2. राजा राममोहन राय ने उदंड मार्तंड, वेदांत सूत्र तथा पेम्पलेट हिंदी में प्रकाशित किया यह हिंदी के बड़े जबरदस्त समर्थक थे।
3. स्वामी दयानंद सरस्वती ने वर्ण व्यवस्था ,मूर्ति पूजा पर जबर्दस्त प्रहार किया जिसमें तत्कालीन संगठन बौखला गए और आर्य समाज के साथ अन्य संप्रदायों की धूम मच गई ।इसका माध्यम बनी हिंदी फलतः खड़ी बोली गद्य की नए रूपों सजने सवरने का मौका मिला।
4. अंग्रेजी महिला एनी बेसेंट जब भारत आए तो वह प्रायः भाषण हिंदी में ही देती थी।

8209837844 www.ugc-net.com

5. नवीनचंदरॉय ,केशव चंद्र सेन श्रद्धाराम फिल्लौरी, भाग्यवती हिंदी का प्रथम मौलिक उपन्यास यह सामाजिक उपन्यास है ने भी खड़ी बोली हिंदी गद्य के विकास में सराहनीय भूमिका अदा की है।

6. प्रसिद्ध आरती ओम जय जगदीश हरे के रचनाकर श्रद्धाराम फिल्लौरी है।

7. नवीनचंदरॉय ने हिंदी को उर्दू की छाया से दूर रखा।नवीनचंदराय का मत-" उर्दू में आशिकी कविता के अतिरिक्त और किसी गंभीर विषय को व्यक्त करने की क्षमता नहीं है"

8209837844 www.ugc-net.com

4) भारतेंदु युग का योगदान

1. खड़ी बोली हिंदी गद्य को एक नयी दिशा प्रदान करने में भारतेंदु व भारतेंदु मंडल का महत्वपूर्ण योगदान है।
2. भारतेंदु की पत्रिकाओं यथा कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र मैगजीन, बालबोधिनी, हरिश्चंद्र चंद्रिका के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता बालबोधिनी ,हरिश्चंद्र चंद्रिका के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया।
3. हरिश्चंद्र पत्रिका का प्रकाशन हिंदी गद्य के क्षेत्र में एक दिशा परिवर्तन था "भारतेंदु हिंदी नई चाल में ढली"/1874ई०
4. 1868ई० में भारतेंदु ने विद्या सुंदर नाटक का बांग्ला से हिंदी में अनुवाद किया।

आचार्य शुक्ल भारतेंदु ने हिंदी गद्य के बहुत ही सुंदर रूप का आभास दिया।

5. भारतेंदु- "निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल।“

इनका गद्य काफी सशक्त व प्रौढ़ था।

8209837844

www.ugc-net.com

भारतेंदु पूर्व साहित्यकार

1. राजा शिवप्रसाद सितारे (हिंद)
2. यह चलती ठेठ हिंदी के प्रबल समर्थक थे जिसमें सर्वसाधारण में प्रचलित अरबी फारसी शब्दों का स्वच्छंद प्रयोग हो।
3. यह भारतेंदु के गुरु थे इनके उर्दू झुकाव का भारतेंदु ने विरोध किया था।
4. प्रसिद्ध रचनाएं :-(रामविलास शर्मा ने इसकी भाषा को बोलचाल की हिंदी कहा)

1) मानव धर्म सागर
2) भूगोल हस्तामलक
3) आलसियों का कीड़ा
4) राजा भोज का सपना
5) इतिहास तिमिरनाशक (भाग1-3)
6) वीर सिंह का वृतांत
7) गीत गोविंदाउर्श
8) कबीर टीका
9) सिखों का उदय और अस्त
10) उपनिषदसार
11) बेताल पच्चीसी
12) विद्यांकुर
13) वर्णमाला
14) पैंट शर्ट और भारटन की कहानी

2. लक्ष्मण सिंह

कालिदास की प्रसिद्ध रचनाएं अभिज्ञान शकुंतलम का हिंदी अनुवाद करते हुए रघुवंश कहा हमारे मत में हिंदी और उर्दू दो बोली न्यारी न्यारी है ।

3. देविकानंदन खत्री

चंद्रकांता संतति व चंद्रकांता

प्रेमचंद पूर्व हिंदी कथा साहित्य में शलाका पुरुष

साहित्यिक संस्थाओं का योगदान

काशी नागरी प्रचारिणी सभा 1893

इस सभा में 1899 में आर्य भाषा पुस्तकालय की स्थापना की ।

इस सभा के 3 वर्षो के अथक परिश्रम का ही परिणाम था कि 1900 में अदालत में हिंदी को स्थान मिला।

8209837844

www.ugc-net.com

Home work

5:30 Pm quiz

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com